

OBRA: "ESCUELA PRIMARIA Nº 362 - AMPLIACION S.U.M. - NEUQUEN CAPITAL" - PLAN DE TRABAJOS Y CURVA DE INVERSIONES

| DT | ITEM | TAREAS | MONTO | % | MET 1 | | MET 2 | | MET 3 | | MET 4 | | MET 5 | | MET 6 | | MET 7 | | MET 8 | | MET 9 | | MET 10 | | MET 11 | | MET 12 | | MET 13 | | MET 14 | | MET 15 | | MET 16 | | MET 17 | | MET 18 | | MET 19 | | MET 20 | | MET 21 | | MET 22 | | MET 23 | | MET 24 | | MET 25 | | MET 26 | | MET 27 | | MET 28 | | MET 29 | | MET 30 | | MET 31 | | MET 32 | | MET 33 | | MET 34 | | MET 35 | | MET 36 | | MET 37 | | MET 38 | | MET 39 | | MET 40 | | MET 41 | | MET 42 | | MET 43 | | MET 44 | | MET 45 | | MET 46 | | MET 47 | | MET 48 | | MET 49 | | MET 50 | | MET 51 | | MET 52 | | MET 53 | | MET 54 | | MET 55 | | MET 56 | | MET 57 | | MET 58 | | MET 59 | | MET 60 | | MET 61 | | MET 62 | | MET 63 | | MET 64 | | MET 65 | | MET 66 | | MET 67 | | MET 68 | | MET 69 | | MET 70 | | MET 71 | | MET 72 | | MET 73 | | MET 74 | | MET 75 | | MET 76 | | MET 77 | | MET 78 | | MET 79 | | MET 80 | | MET 81 | | MET 82 | | MET 83 | | MET 84 | | MET 85 | | MET 86 | | MET 87 | | MET 88 | | MET 89 | | MET 90 | | MET 91 | | MET 92 | | MET 93 | | MET 94 | | MET 95 | | MET 96 | | MET 97 | | MET 98 | | MET 99 | | MET 100 | | MET 101 | | MET 102 | | MET 103 | | MET 104 | | MET 105 | | MET 106 | | MET 107 | | MET 108 | | MET 109 | | MET 110 | | MET 111 | | MET 112 | | MET 113 | | MET 114 | | MET 115 | | MET 116 | | MET 117 | | MET 118 | | MET 119 | | MET 120 | | MET 121 | | MET 122 | | MET 123 | | MET 124 | | MET 125 | | MET 126 | | MET 127 | | MET 128 | | MET 129 | | MET 130 | | MET 131 | | MET 132 | | MET 133 | | MET 134 | | MET 135 | | MET 136 | | MET 137 | | MET 138 | | MET 139 | | MET 140 | | MET 141 | | MET 142 | | MET 143 | | MET 144 | | MET 145 | | MET 146 | | MET 147 | | MET 148 | | MET 149 | | MET 150 | | MET 151 | | MET 152 | | MET 153 | | MET 154 | | MET 155 | | MET 156 | | MET 157 | | MET 158 | | MET 159 | | MET 160 | | MET 161 | | MET 162 | | MET 163 | | MET 164 | | MET 165 | | MET 166 | | MET 167 | | MET 168 | | MET 169 | | MET 170 | | MET 171 | | MET 172 | | MET 173 | | MET 174 | | MET 175 | | MET 176 | | MET 177 | | MET 178 | | MET 179 | | MET 180 | | MET 181 | | MET 182 | | MET 183 | | MET 184 | | MET 185 | | MET 186 | | MET 187 | | MET 188 | | MET 189 | | MET 190 | | MET 191 | | MET 192 | | MET 193 | | MET 194 | | MET 195 | | MET 196 | | MET 197 | | MET 198 | | MET 199 | | MET 200 | | MET 201 | | MET 202 | | MET 203 | | MET 204 | | MET 205 | | MET 206 | | MET 207 | | MET 208 | | MET 209 | | MET 210 | | MET 211 | | MET 212 | | MET 213 | | MET 214 | | MET 215 | | MET 216 | | MET 217 | | MET 218 | | MET 219 | | MET 220 | | MET 221 | | MET 222 | | MET 223 | | MET 224 | | MET 225 | | MET 226 | | MET 227 | | MET 228 | | MET 229 | | MET 230 | | MET 231 | | MET 232 | | MET 233 | | MET 234 | | MET 235 | | MET 236 | | MET 237 | | MET 238 | | MET 239 | | MET 240 | | MET 241 | | MET 242 | | MET 243 | | MET 244 | | MET 245 | | MET 246 | | MET 247 | | MET 248 | | MET 249 | | MET 250 | | MET 251 | | MET 252 | | MET 253 | | MET 254 | | MET 255 | | MET 256 | | MET 257 | | MET 258 | | MET 259 | | MET 260 | | MET 261 | | MET 262 | | MET 263 | | MET 264 | | MET 265 | | MET 266 | | MET 267 | | MET 268 | | MET 269 | | MET 270 | | MET 271 | | MET 272 | | MET 273 | | MET 274 | | MET 275 | | MET 276 | | MET 277 | | MET 278 | | MET 279 | | MET 280 | | MET 281 | | MET 282 | | MET 283 | | MET 284 | | MET 285 | | MET 286 | | MET 287 | | MET 288 | | MET 289 | | MET 290 | | MET 291 | | MET 292 | | MET 293 | | MET 294 | | MET 295 | | MET 296 | | MET 297 | | MET 298 | | MET 299 | | MET 300 | | MET 301 | | MET 302 | | MET 303 | | MET 304 | | MET 305 | | MET 306 | | MET 307 | | MET 308 | | MET 309 | | MET 310 | | MET 311 | | MET 312 | | MET 313 | | MET 314 | | MET 315 | | MET 316 | | MET 317 | | MET 318 | | MET 319 | | MET 320 | | MET 321 | | MET 322 | | MET 323 | | MET 324 | | MET 325 | | MET 326 | | MET 327 | | MET 328 | | MET 329 | | MET 330 | | MET 331 | | MET 332 | | MET 333 | | MET 334 | | MET 335 | | MET 336 | | MET 337 | | MET 338 | | MET 339 | | MET 340 | | MET 341 | | MET 342 | | MET 343 | | MET 344 | | MET 345 | | MET 346 | | MET 347 | | MET 348 | | MET 349 | | MET 350 | | MET 351 | | MET 352 | | MET 353 | | MET 354 | | MET 355 | | MET 356 | | MET 357 | | MET 358 | | MET 359 | | MET 360 | | MET 361 | | MET 362 | | MET 363 | | MET 364 | | MET 365 | | MET 366 | | MET 367 | | MET 368 | | MET 369 | | MET 370 | | MET 371 | | MET 372 | | MET 373 | | MET 374 | | MET 375 | | MET 376 | | MET 377 | | MET 378 | | MET 379 | | MET 380 | | MET 381 | | MET 382 | | MET 383 | | MET 384 | | MET 385 | | MET 386 | | MET 387 | | MET 388 | | MET 389 | | MET 390 | | MET 391 | | MET 392 | | MET 393 | | MET 394 | | MET 395 | | MET 396 | | MET 397 | | MET 398 | | MET 399 | | MET 400 | | MET 401 | | MET 402 | | MET 403 | | MET 404 | | MET 405 | | MET 406 | | MET 407 | | MET 408 | | MET 409 | | MET 410 | | MET 411 | | MET 412 | | MET 413 | | MET 414 | | MET 415 | | MET 416 | | MET 417 | | MET 418 | | MET 419 | | MET 420 | | MET 421 | | MET 422 | | MET 423 | | MET 424 | | MET 425 | | MET 426 | | MET 427 | | MET 428 | | MET 429 | | MET 430 | | MET 431 | | MET 432 | | MET 433 | | MET 434 | | MET 435 | | MET 436 | | MET 437 | | MET 438 | | MET 439 | | MET 440 | | MET 441 | | MET 442 | | MET 443 | | MET 444 | | MET 445 | | MET 446 | | MET 447 | | MET 448 | | MET 449 | | MET 450 | | MET 451 | | MET 452 | | MET 453 | | MET 454 | | MET 455 | | MET 456 | | MET 457 | | MET 458 | | MET 459 | | MET 460 | | MET 461 | | MET 462 | | MET 463 | | MET 464 | | MET 465 | | MET 466 | | MET 467 | | MET 468 | | MET 469 | | MET 470 | | MET 471 | | MET 472 | | MET 473 | | MET 474 | | MET 475 | | MET 476 | | MET 477 | | MET 478 | | MET 479 | | MET 480 | | MET 481 | | MET 482 | | MET 483 | | MET 484 | | MET 485 | | MET 486 | | MET 487 | | MET 488 | | MET 489 | | MET 490 | | MET 491 | | MET 492 | | MET 493 | | MET 494 | | MET 495 | | MET 496 | | MET 497 | | MET 498 | | MET 499 | | MET 500 | | MET 501 | | MET 502 | | MET 503 | | MET 504 | | MET 505 | | MET 506 | | MET 507 | | MET 508 | | MET 509 | | MET 510 | | MET 511 | | MET 512 | | MET 513 | | MET 514 | | MET 515 | | MET 516 | | MET 517 | | MET 518 | | MET 519 | | MET 520 | | MET 521 | | MET 522 | | MET 523 | | MET 524 | | MET 525 | | MET 526 | | MET 527 | | MET 528 | | MET 529 | | MET 530 | | MET 531 | | MET 532 | | MET 533 | | MET 534 | | MET 535 | | MET 536 | | MET 537 | | MET 538 | | MET 539 | | MET 540 | | MET 541 | | MET 542 | | MET 543 | | MET 544 | | MET 545 | | MET 546 | | MET 547 | | MET 548 | | MET 549 | | MET 550 | | MET 551 | | MET 552 | | MET 553 | | MET 554 | | MET 555 | | MET 556 | | MET 557 | | MET 558 | | MET 559 | | MET 560 | | MET 561 | | MET 562 | | MET 563 | | MET 564 | | MET 565 | | MET 566 | | MET 567 | | MET 568 | | MET 569 | | MET 570 | | MET 571 | | MET 572 | | MET 573 | | MET 574 | | MET 575 | | MET 576 | | MET 577 | | MET 578 | | MET 579 | | MET 580 | | MET 581 | | MET 582 | | MET 583 | | MET 584 | | MET 585 | | MET 586 | | MET 587 | | MET 588 | | MET 589 | | MET 590 | | MET 591 | | MET 592 | | MET 593 | | MET 594 | | MET 595 | | MET 596 | | MET 597 | | MET 598 | | MET 599 | | MET 600 | | MET 601 | | MET 602 | | MET 603 | | MET 604 | | MET 605 | | MET 606 | | MET 607 | | MET 608 | | MET 609 | | MET 610 | | MET 611 | | MET 612 | | MET 613 | | MET 614 | | MET 615 | | MET 616 | | MET 617 | | MET 618 | | MET 619 | | MET 620 | | MET 621 | | MET 622 | | MET 623 | | MET 624 | | MET 625 | | MET 626 | | MET 627 | | MET 628 | | MET 629 | | MET 630 | | MET 631 | | MET 632 | | MET 633 | | MET 634 | | MET 635 | | MET 636 | | MET 637 | | MET 638 | | MET 639 | | MET 640 | | MET 641 | | MET 642 | | MET 643 | | MET 644 | | MET 645 | | MET 646 | | MET 647 | | MET 648 | | MET 649 | | MET 650 | | MET 651 | | MET 652 | | MET 653 | | MET 654 | | MET 655 | | MET 656 | | MET 657 | | MET 658 | | MET 659 | | MET 660 | | MET 661 | | MET 662 | | MET 663 | | MET 664 | | MET 665 | | MET 666 | | MET 667 | | MET 668 | | MET 669 | | MET 670 | | MET 671 | | MET 672 | | MET 673 | | MET 674 | | MET 675 | | MET 676 | | MET 677 | | MET 678 | | MET 679 | | MET 680 | | MET 681 | | MET 682 | | MET 683 | | MET 684 | | MET 685 | | MET 686 | | MET 687 | | MET 688 | | MET 689 | | MET 690 | | MET 691 | | MET 692 | | MET 693 | | MET 694 | | MET 695 | | MET 696 | | MET 697 | | MET 698 | | MET 699 | | MET 700 | | MET 701 | | MET 702 | | MET 703 | | MET 704 | | MET 705 | | MET 706 | | MET 707 | | MET 708 | | MET 709 | | MET 710 | | MET 711 | | MET 712 | | MET 713 | | MET 714 | | MET 715 | | MET 716 | | MET 717 | | MET 718 | | MET 719 | | MET 720 | | MET 721 | | MET 722 | | MET 723 | | MET 724 | | MET 725 | | MET 726 | | MET 727 | | MET 728 | | MET 729 | | MET 730 | | MET 731 | | MET 732 | | MET 733 | | MET 734 | | MET 735 | | MET 736 | | MET 737 | | MET 738 | | MET 739 | | MET 740 | | MET 741 | | MET 742 | | MET 743 | | MET 744 | | MET 745 | | MET 746 | | MET 747 | | MET 748 | | MET 749 | | MET 750 | | MET 751 | | MET 752 | | MET 753 | | MET 754 | | MET 755 | | MET 756 | | MET 757 | | MET 758 | | MET 759 | | MET 760 | | MET 761 | | MET 762 | | MET 763 | | MET 764 | | MET 765 | | MET 766 | | MET 767 | | MET 768 | | MET 769 | | MET 770 | | MET 771 | | MET 772 | | MET 773 | | MET 774 | | MET 775 | | MET 776 | | MET 777 | | MET 778 | | MET 779 | | MET 780 | | MET 781 | | MET 782 | | MET 783 | | MET 784 | | MET 785 | | MET 786 | | MET 787 | | MET 788 | | MET 789 | | MET 790 | | MET 791 | | MET 792 | | MET 793 | | MET 794 | | MET 795 | | MET 796 | | MET 797 | | MET 798 | | MET 799 | | MET 800 | | MET 801 | | MET 802 | | MET 803 | | MET 804 | | MET 805 | | MET 806 | | MET 807 | | MET 808 | | MET 809 | | MET 810 | | MET 811 | | MET 812 | | MET 813 | | MET 814 | | MET 815 | | MET 816 | | MET 817 | | MET 818 | | MET 819 | | MET 820 | | MET 821 | | MET 822 | | MET 823 | | MET 824 | | MET 825 | | MET 826 | | MET 827 | | MET 828 | | MET 829 | | MET 830 | | MET 831 | | MET 832 | | MET 833 | | MET 834 | | MET 835 | | MET 836 | | MET 837 | | MET 838 | | MET 839 | | MET 840 | | MET 841 | | MET 842 | | MET 843 | | MET 844 | | MET 845 | | MET 846 | | MET 847 | | MET 848 | | MET 849 | | MET 850 | | MET 851 | | MET 852 | | MET 853 | | MET 854 | | MET 855 | | MET 856 | | MET 857 | | MET 858 | | MET 859 | | MET 860 | | MET 861 | | MET 862 | | MET 863 | | MET 864 | | MET 865 | | MET 866 | | MET 867 | | MET 868 | | MET 869 | | MET 870 | | MET 871 | | MET 872 | | MET 873 | | MET 874 | | MET 875 | | MET 876 | | MET 877 | | MET 878 | | MET 879 | | MET 880 | | MET 881 | | MET 882 | | MET 883 | | MET 884 | | MET 885 | | MET 886 | | MET 887 | | MET 888 | | MET 889 | | MET 890 | | MET 891 | | MET 892 | | MET 893 | | MET 894 | | MET 895 | | MET 896 | | MET 897 | | MET 898 | | MET 899 | | MET 900 | | MET 901 | | MET 902 | | MET 903 | | MET 904 | | MET 905 | | MET 906 | | MET 907 | | MET 908 | | MET 909 | | MET 910 | | MET 911 | | MET 912 | | MET 913 | | MET 914 | | MET 915 | | MET 916 | | MET 917 | | MET 918 | | MET 919 | | MET 920 | | MET 921 | | MET 922 | | MET 923 | | MET 924 | | MET 925 | | MET 926 | | MET 927 | | MET 928 | | MET 929 | | MET 930 | | MET 931 | | MET 932 | | MET 933 | | MET 934 | | MET 935 | | MET 936 | | MET 937 | | MET 938 | | MET 939 | | MET 940 | | MET 941 | | MET 942 | | MET 943 | | MET 944 | | MET 945 | | MET 946 | | MET 947 | | MET 948 | | MET 949 | | MET 950 | | MET 951 | | MET 952 | | MET 953 | | MET 954 | | MET 955 | | MET 956 | | MET 957 | |
|----|------|--------|-------|---|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|
|----|------|--------|-------|---|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|